साहित्य अकादेमी द्वारा 'एक देश एक धड़कन' अभियान के अंतर्गत 'काव्य संध्या' का आयोजन

नई दिल्ली (एसएनबी)। साहित्य अकादेमी द्वारा आज संस्कृति मंत्रालय द्वारा आहूत 'एक देश एक धड़कन' अभियान के अंतर्गत एक 'काव्य संध्या' का आयोजन किया गया, जिसमें पांच प्रतिष्ठित कवियों ने देशभक्ति से ओतप्रोत अपनी रचनाएं प्रस्तुत की। काव्य संध्या की अध्यक्षता वरिष्ठ गीतकार बीएल गौड़ ने की। आमंत्रितों में लक्ष्मी शंकर वाजपेयी, सरिता शर्मा, इंद्रजीत सुकुमार एवं तहसीन मुनव्वर शामिल थे। साहित्य अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने सभी का स्वागत किया।

कार्यक्रम की शुरुआत तहसीन मुनव्वर ने अपनी कविता 'जो हमको सताएगा, वो नाशाद रहेगा, दुश्मन हमारे मुल्क का बर्बाद रहेगा' से की। इंद्रजीत सुकुमार ने सस्वर गीत 'कल कतरा कतरा दिन गुजरा, कल लम्हा लम्हा रात हुई। बाहर से आंखें भर आईं लेकिन भीतर बरसात हुई गाकर सुनाई। लक्ष्मी शंकर वाजपेयी ने अपने दो मुक्तक के बाद एक गीत प्रस्तुत किया, जिसके बोल थे 'ऐ वतन के शहीदों नमन, सर झुकाता है तुमको वतन ...। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे बीएल गौड़ ने सभी को धन्यवाद देते हुए अपनी एक कविता प्रस्तुत की, जो देश के वीर जवानों को नई कहानी लिखने की प्रेरणा देने को लेकर थी।